RNI NO.-MPHIN/2011/37953

नवरत्न परिवार का राष्ट्रीय मासिक मुखपत्र

www.navratrnpariwar.com

नवरत्न संदेश

प्रधान संपादक- राकेश मारवाड़ी वर्ष-5 अंक-01 इन्दौर, अक्टूबर 2016 पेज-8 मुल्य-5 रुपये

Email- jinshashan@gmail.com

नवरत्न परिवार का पंचम राष्ट्रीय अधिवेशन शंखेश्वर तीर्थ में सम्पन्न

युवा हृदय सम्राट की निश्रा में 2000 युवाओं का संगम

शंखेश्वर महातीर्थ। परमात्मा वीर प्रभु के शासन में भी जिसका नाम कर्म का पुण्योदय जबरदस्त रूप से विख्यात है 1008 पार्श्व नाम में सर्वोपरि श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ महातीर्थ की धन्य धरा में हृदय स्थली सम श्री आगम मंदिर में राजमहल स्वरूप सुंदर पावनकारी गुरु अभ्युद्य नवरत्न वाटिका में 2000 से अधिक युवाओं का समागम 24-25 सितंबर 2016 को प.पू. मालव भूषण आचार्य भगवंत श्री नवरत्न सागर सुरीश्वरजी म.सा. के कृपा पात्र जिनशासन हितचिंतक युवा हृदय सम्राट आचार्य श्री विश्वरत्न सागर सुरीश्वरजी म.सा., अध्यात्म योगी मुनिराज श्री आदर्शरत्न सागर जी म.सा. आदि शताधिक साधु-साध्वी भगवंतों के सान्निध्य में सेठ वेलजी भाई माणेकचंद मिणयार परिवार द्वारा आयोजित 1000 आराधकों की चातुर्मास श्रृंखला के अन्तर्गत नवरत्न परिवार के पंचम राष्ट्रीय अधिवेशन में हुआ।

जन-जन की आस्था एवं श्रद्धा के केंद्र प.पू. मालव भूषण आचार्य भगवंत श्री नवरत्न सागर सूरीश्वरजी म.सा. के आदर्शों के साथ पर के कल्याण की कामनाओं को समर्पित नवरत्न परिवार का राष्ट्रीय अधिवेशन दो दिवसीय प्रेरणा दायक आयोजनों के साथ सम्पन्न हुआ।

17 जुलाई की शंखेश्वर महातीर्थ एवं 31 जुलाई को श्री घसोई तीर्थ में पंचम राष्ट्रीय अधिवेशन की उद्घोषणा के साथ ही समस्त शाखाीओं में हर्ष की लहर के साथ इंतजार की घड़िया प्रारंभ हो चुकी थी। 24-25 सितंबर को शंखेश्वर महातीर्थ में होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन की कमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन सुराणा ने संभाव समस्त जिलों के लिए अलग-अलग जिला प्रभारियों की नियुक्तियां की। प.पू. हृदय सम्राट आचार्य श्री विश्वरत्न सागर सूरीश्वरजी म.सा. ने नवरत्न परिवार के मार्गदर्शन होने के नाते समस्त पदाधिकारियों को निर्देशित किया था कि आयोजनों की सफलता व्यक्ति था संपर्क करने पर ही मिलती है, उसी बात का अनुसरण करते हुए समग्र ईकाइयों के पदाधिकारियों ने यथाशक्ति समय का भोग देकर अनेक क्षेत्रों शाखाओं में जाकर अधिवेशन में भाग लेने का अनुरोध किया। साथ ही सोश्यल मीडिया पर भी अधिवेशन ग्रुप के माध्यम से भी इस आयोजन का खूब प्रचार प्रसार किया गया।

अधिवेशन की चित्रमय झलकियां पेज 4-5 पर

गुरु नवरत्न का नाम चमकाने की प्रेरणा लेता नवरत्न परिवार।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन सुराणा का अध्यक्षीय उद्बोधन

दस वर्षीय शासन प्रभावक यात्रा का संयोजन

– त्रिलोकीय शाश्वत कलिकाल
– कल्पतरु परमात्मा शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के पावन चरणों में कोटि-कोटि वंदनाएं
– पंचमकाल में तीर्थंकर स्वरूप मेरे अन्तरमन में विराजित, जन-जन की आस्था एवं श्रद्धा के केंद्र, भारत भूषण महान तपस्वी सम्राट सरल स्वभावी प.पू. आचार्य भगवंत श्री नवरत्न सागर सूरीश्वर जी म.सा. के पावन चरण कमल में अनंत वंदनाए सुधर्मा स्वामी के पाट पर विराजित युवक पंथ प्रदर्शक, हमारे मार्गदर्शक, क्रांतिकारी प.पू. आचार्य भगवंत, आचार्य विश्वरत्नसागर सूरीश्वर जी म.सा. आदि श्रमण श्रमणीवृंदों चरणों में कोटि-कोटि वंदनाएं।
– उपस्थित जयवंता जिनशासन के शौर्यवंत गुरुभक्तों को सादर प्रणाम) में अपना स्वागत भाषण नवरत्न परिवार के लिए इन चार लाइनों से शुरू करता हूं।

मंजिल यूही नहीं मिलती राही को
जुनून सा दिल में जगाना पड़ता है
पूछा चिड़िया को- घोंसला कैसे बनता है
वह बोली तिनका-तिनका उठाना पड़ता है।

हकीकत में आज लग रहा है कि यह युवाओं का मेला देखकर कि गुरुभक्ति इसे कहते हैं, कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मालवा से 500-600 किलो मीटर दूर यह युवा अपनी गुरुभक्ति का परिचय इस तरह हजारों की तादाद में उपस्थित होकर देंगे। आज शंखेश्वर दादा की इस पुण्यधरा पर प.पू. आचार्य भगवंत नवरत्न परिवार के पंचम राष्ट्रीय अधिवेशन में पधारे दूर-दूर से नवरत्न परिवार के कार्य का में अन्तरमन के शुद्ध भावों से आप सभी का उत्साहपूर्वक स्वागत वंदन व अभिनंदन करता हूं।

मुझे गर्व है नवरत्न परिवार के ऊर्जावान, निष्ठावान, कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं पर जिन्होंने गुरुदेव की एक आवाज तम, मन और धन से सींचकर इस नवरत्न परिवार को मालवा में ही नहीं अपितु पूरे देश में, जैन समाज में नहीं अपितु अजैन समाज में भी एक अलग पहचान दिलाई है।

मुझे गर्व है आप सभी पर जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से देव गुरु धर्म के मार्ग पर चलने वाले नवरत्न परिवार को खींचकर वटवृक्ष का स्वरूप दिया।

29 जनवरी 2016 को हमें बहुत बड़ा आघात पहुंचा, हमारे सपने जैसे चकनाचूर होने सा लगने लगा, कभी सपने में सोचा नहीं वह दृश्य हमारे सामने हकीकत में आ गया कि हमारे गुरुदेव हमारे बीच नहीं रहे वह हम सभी को छोड़कर मोक्ष की ओर चल दिए और हमें हमेशा-हमेशा के लिए प्रत्यक्ष रूप से अलविदा कह गए। आज गुरुदेव का आशीर्वाद हमें प्रत्यक्ष रूप से नहीं मिल रहा हो लेकिन गुरुदेव के वह हाथ आज भी हमारे सिर पर अप्रत्यक्ष रूप से आशीर्वाद देता नजर आता है महसूस होता है।

कुछ तो खास था, उस अजीम शख्सियत में
जमाना रो पड़ा, उनके यूं खामोश हो जाए।

साथियों कुछ वर्ष पूर्व जिस नवरत्न गुरु भक्त मंडल का जो बीजारोपण हुआ था वह आज आप सभी के सहयोग से वटवृक्ष के रूप में हम सबके सामने देव-गुरु-धर्म की कृपा से आज नवरत्न परिवार के नाम से नजर आ रहा है। उसमें हमारे पथ प्रदर्शन क्रांतिकारी एवं प.पू. विश्वरत्न सागरसूरीजी म.सा. भी महत्ती और आप सभी ने नवरत्न परिवार को जो स्नेह न सहयोग दिया है वह अतुल्नीय है आप सभी का प्रेम मैंने स्वयं प्रत्यक्ष रूप से शाखाओं के दौरे के दौरान देखने को मिला है।

आप सभी की नवरत्न परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठा को भी मैंने अच्छे से देखा है। गुरुदेव की एक आवाज पर हजारों युवानों का सैलाब इकट्ठा होते भी मैंने देखा है।

साथियों नवरत्न गुरु भक्त मंडल का नया स्वरूप नया रूप श्रीपाल मयण सुंदरी की आराधना स्थली खाराकुआं उज्जैन में नवरत्न परिवार के नाम से हुआ। जब यह संगठन सिर्फ मालवा के कुछ ही शहरों तक सिमटा हुआ था तब मुझे प्रथम बार भाई राजेश जी जैन व पंडितवर्य रत्नेश जी मेहता के उपस्थिति में प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया और धीरे-धीरे कारवां बढ़ता गया और नवरत्न परिवार ने मालवा के बड़े शहरों से लेकर छोटे-छोटे ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपनी शाखाएं फैला दी और फिर गुरुदेव की निष्ठा में मालवा के अलावा राजस्थान ओर गुजरात में भी नवरत्न परिवार के कदम बढ़ गए ओर उसकी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर होने लगी। फिर द्वितीय अधिवेशन नागेश्वर तीर्थ में संपन्न हुआ, ओर वहां पर मुझे नवरत्न परिवार का प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया ओर उसी टीम में महासचिव बनाए गए भाई राजेश जी जैन ने मुझे कंधे से कंधा मिलाकर भरपूर सहयोग दिया। फिर गुरुदेव का चातुर्मास वर्ष 2011 में मंदसौर नगर में धर्म अराधना के साथ संपन्न हुआ। तीसरा राष्ट्रीय अधिवेशन मंदसौर नगर में हुआ जहां पर हमने गुरुदेव के समक्ष कहा कि गुरुदेव अब नई टीम बनाओ, हम सभी साथ में है ही दूसरे कार्यकर्ताओं को भी मौका मिलना चाहिए, ओर फिर उस अधिवेशन में प्रतीक जी डोसी को दूसरा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया पूरी टीम का परिवर्तन हो गया था चूंकि सभी नए चेहरे थे इसलिए गुरुदेव से कहा कि एक-दो चेहरे पुराने इस टीम में लो ताकि संगठन की गतिविधियों में कोई परेशानी न हो, गुरुदेव ने भी हम सभी की बात मानी ओर फिर राजेश जी जैन को महासचिव बनाया गया ओर राजेश जी जैन ने प्रतीक जी डोसी को कंधे सं कंधा मिलाकर अपना दायित्व बखूबी निभाया। मंदसौर अधिवेशन के बाद कुछ अस्वस्थता होने के कारण कुछ समय के लिए मेरी नवरत्न परिवार से दूरी जरूर हो गए थे।

वंदन यात्रा का अंतिम दिवस बड़ोद नगर में बहुत धूमधाम के साथ संपन्न हुआ युवाओं का जोश देखने लायक था, रात्रि में एक शाम गुरुदेव के नाम संगीत भक्ति का आयोजन भी किया गया। बड़ोद नगर में कार्यक्रम सफल बनाने में प्रदेश अध्यक्ष रखब जी बिजाव, राष्ट्रीय सलाहकार समिति सदस्य संतोष जी जैन, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विजय जी देशलहरा एवं नवरत्न परिवार की संपूर्ण युवी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वंदन यात्रा का समापन बड़ोद नगर से वाहन रैली निकालकर नागेश्वर दादा की पुण्यधरा पर 108 साधु-साध्वी भगवंत की पावन निश्रा में हुआ।

नवरत्न वंदन यात्रा की कमान पूरे समय यात्रा संयोजक राजेश जी मैन ने संभाल रखी थी, उनका सहयोग राष्ट्रीय महा सचिव राकेश जी मारवाड़ी, राषख्ट्रीय संगठन यंत्री अनुदीप चौहान, परम गुरु भक्त राजेश जी वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष रखब जी बिजावत, प्रदेश महासचिव आशीष जी चौरड़िया, राष्ट्रीय सलाहकार समिति सदस्य लविश जी कोठारी, राष्ट्रीय सलाहकार सदस्य पंडितवर्य रत्नेश जी मेहता, सुनील जी फरवदा, मनीष जी नाहर आदि गुरुभक्तों ने दिया। मैं हृदय से उनकी खूब-खूब अनुमोदना करता हूं।

जिंदगी में सब लोग रिश्तेदार या दोस्त बनकर नहीं आते
बल्कि कुछ लोग इनकी तरह सच्चे गुरुभक्त बनकर भी आते हैं।

नवरत्न परिवार का एक ऐसा प्रकल्प जिसने नवरत्न परिवार को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है और वह है जिनालय शुद्धिकरण जिसका सभी को इंतजार रहता है हमारा यह प्रकल्प पिछले पांच वर्षों से निरंतर सफलता पूर्वक चल रहा है, राजेश जी जैन व राकेश जी मारवाड़ी ने संयुक्त रूप से पिछले चार वर्षों तक इसका सफल संचालन किया और इस वर्ष राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री प्रितेश जी ओसतवाल ने भी इसका सफल संचालन किया।

हम इन सभी की खूब-खूब अनुमोदना करते हैं ओर जिनालय शुद्धिकरण के समस्त लाभार्थियों का भी हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

करोड़ों की भीड़ में इतिहास मुट्ठीभर लोग ही बनाते हैं।
वहीं रचे हैं इतिहास जो आलोचना से नहीं घबराते हैं।।

इसी तरह नवरत्न परिवार का राष्ट्रीय त्यौहार अधिवेशन के रूप में हम मनाते आए हैं यह हमारा पांचवा अधिवेशन है और इस अधिवेशन की खासियत है कि यह अधिवेशन पहली बार मालवा के बाहर हो रहा है। पहला अधिवेशन आष्ठा, दूसरा नागेश्वर तीर्थ, तीसरा मंदसौर, चौथा रतलाम और यह पांचवा अधिवेशन आपके सामने शंखेश्वर तीर्थ में हो रहा है। गुरुकृपा एवं आप सभी के सहयोग से मेरे नेतृत्व में यह चौथा अधिवेशन हो रहा है। इस अधिवेशन को भी सफल बनाने के लिए हमने जिला प्रभारी बनाए, उनकी मेहनत, व लगन से आज यहां युवाओं का सैलाब उमड़ रहा है। जैसे इस शंखेश्वर तीर्थ में युवा नाम की सुनामी आ गई हो।

अधिवेशन प्रभारी

झाबुआ जिले से	सुनील जी झलोका
धार जिले से	सनली जी फरबदा
शाजापुर जिले से	नवरत्न मल जी धारीवाल
आगर जिले से	राजेश जी कांठेड़
सीहोर जिले से	नीलेश जी श्रीश्रीमाल
नीमच जिसे	पारस जी छाजेड़
मंदसौर शहर से	अनील जी जैन फ्लाइंकिंग
मंदसौर ग्रामीण से	चंचल जी जैन
रतलाम शहर से	श्रीपाल जी भंडारी
रतलाम ग्रामीण से	इंद्रेश जी चंडालिया
इंदौर शहर से	आकाश जी भंडारी
इंदौर ग्रामीण से	जितेन्द्र जी चौधरी
उज्जैन शहर से	पारुल जी नाहर, चंद्रप्रकाशजी जैन
उज्जैन ग्रामीण से	अतुल जी आंचलिया
देवास जिले से	वैभव जी जैन
अलीराजपुर जिले से	मोहित जी जैन
प्रतापगढ़ जिले से	अमित जी भैरविया
झालावाड़ जिले से	संजय लड्ढा जी
डूंगरपुर जिले से	सुबोध सरैया
बांसवाड़ा जिले से	दिपेश जी शाह

इनके अलावा राष्ट्रीय कार्यकारिणी से जितेन्द्र जी पोरवाल, दालोदा, प्रशांत जी सकलेचा नलखेड़ा, मुकेश जी गांधी सागवाड़ा, संजय जी धारीवाल हाटपिपल्या।

राष्ट्रीय सलाहाकार समिति से पंडितवर्य रत्नेशजी मेहता, अर्पित जी नाहर हाटपिपल्या, लविश जी कोठारी अकलेरा, पंकज जी गौखरु।

प्रेश कार्यकारिणी से : प्रदेश अध्यक्ष रखबजी बिजावत, आशीष चौरड़िया जावरा, मनीष जी जैन बिड़वाल, गौतम जी सेठिया मनासा, ललीत जी भामावत जीरन, अमित जी सिंगावरत।

प्रदेश सलहाकार समिति से प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जी जैन आदि पदाधिकारियों सहित कई कार्यकर्ताओं ने अधिवेशन को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जो गिरा है, वह उठा है जो उठा है, वह चला है
जो चला है, वह बढ़ा है और जो बढ़ा है
उसने ही इतिहास गढ़ा है।

विहार सेवा सुनील जी फरबदा, साथियों मैं आप सभी को इस मंच के माध्यम से यह विश्वास दिलाता हूं कि मैं नवरत्न परिवार के किसी पद पर रहूं या न रहूं मेरी एक एक सांस, मेरे शरीर का खून एक-एक कतरा मेरे अपने नवरत्न परिवार के लिए है मेरी अंतिम सांस तक नवरत्न परिवार मेरे रग-रग में बसा रहेगा। आप जब भी याद करोगे मैं पूर्ण रूप से आपके साथ खड़ा दिखाई दूंगा।

कई जीत बाकी है, कई हर बाकी है
अभी तो जिंदगी का सार बाकी है,
यहां से चले है नई मंजिल के लिए
वह एक पन्ना था, अभी तो किताब बाकी है।

मैं अभिभूत हूं आपके स्नेह से, आपके वात्सल्य से मैं शंखेश्वर दादा की इस पुण्य धरा पर गुरुदेव की साक्षी में आपके विश्वास दिलाता हूं कि जिस तरह आपके मुझ पर विश्वास किया है परमात्मा कभी वह विश्वास टूटने न देना। आपका विश्वास हमेशा-हमेशा कायम रहेगा।

नवरत्न परिार से मुझे जो मित्र मिले हैं वह मेरे जीवन की बहुत बड़ी उपलब्धि है, मेरा खजाना है, आप सभी के प्रोत्साहन ने मेरा मनोबल बढ़ाया है। आप सभी को अन्तरमन के उज्जवल भावों से समर्पित मेरी चार पंक्तियां...

तूफां में हो अगर कश्ती, किनारे याद आते हैं
टिमटिमाते सही, अंधेरे में तारे याद आते है,
मैं कभी नहीं भूला, वो अपने गर्दिशों के दिन
मुझे अब भी वो आपके सहारे याद आते है

मोटिवेशन व गुरुदेव मालवा आगमन पर नवरत्न परिवार की भूमिका।

नवरत्न परिवार किसी भी संप्रदायवाद में विश्वास नहीं रखता यह ऐसा संगठन है जहां सभी संप्रदाय का समावेश है। चाहे वह स्थानकवासी है, तेरापंथी, नवरत्न परिवार के किसी भी कार्यकर्ता सं आज दिन तक नवरत्न परिवार के नाम पर एक रुपया भी नहीं लिया।

समुद्र में छलांग लगाना है तो हनुमान की शक्ति चाहिए
हर नगर में नवरत्न परिार की शाखा बनाना है तो
नवरत्न सूरी जी की कृपा चाहिए और विश्वरत्न सागर जी की निश्रा चाहिए।

अभी तक नवरत्न परिवार के समस्त कार्यकारिणी पदाधिकारी व कार्यकर्ता ने जो प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहयोग दिया उनका हार्दिक आभार।

चातुर्मास के लाभार्थी परिवार जिसने पूरे भारत में एक ऐसा एतिहासिक चातुर्मास शंखेश्वर की पुण्य धरा पर करा क जिन शासन का गौरव बढ़ाया है ऐसे लाभार्थी परिवार श्रेष्ठीवर्य श्री वेलजी भाई मणिकचंद परिवार की खूब-खूब अनुमोदना करते हैं।

लेकिन राष्ट्रीय सलाहकार समिति के अध्यक्ष भाई प्रतीक जी डोसी का भी समय-समय पर नवरत्न परिवार को सहयोग मिलता रहता है उनकी भी बहुत-बहुत अनुमोदना। प्रदेश सलाहकार समिति के अध्यक्ष श्री दिलीप जी जैन को कि गुरुदेव के व नवरत्न परिवार के प्रत्येक कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते आए हैं। ओर आपका पूर्ण सहयोग भी हमें मिलता रहा है। उनकी भी खूब-खूब अनुमोदना व धन्यवादा। शंखेश्वर तीर्थ चातुर्मास प्रवेश के पहले हमने जिला प्रभारी बनाए गए उन्होंने भी पूरी निष्ठा के साथ कार्य को अंजाम दिया बड़ी तादाद में मालवा के गुरुभक्तों ने चातुर्मास प्रवेश में उपस्थिति दर्ज कराई थी।

गुरुदेव के कालधर्म के पश्चात नवरत्न परिवार द्वारा वंदन यात्रा निकाली गई जिसकी शुरुआत इंदौर नगर में एक करोड़ आठ लाख नवकार महामंत्री के साथ हुई एक विराट आयोजन प.पू. आचार्य भगवंत श्री मुक्तिसागर जी म.सा. की पावन निश्रा में हुआ, जिसका लाभ हमारे नवरत्न परिवार के उदारमना राष्ट्रीय संरक्षक श्री ललीत सी जैन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रितेश जी ओसतवाल आदि गुरुभक्तों ने लिया। वंदन यात्रा का पूरे मालवा सहित राजस्थान के श्रीसंघों ने भव्य आगवानी कर कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए।

इंदौर महानगर में श्री विश्वरत्न सागर जी म.सा. की आचार्य पदवी में पुनः वापसी कर ईमानदारी से अपना दायित्व निभने का एक सफल प्रयास किया। भाई प्रतीक जी डोसी ने भी अपनी मेहमान से नवरत्न परिार को काफी ऊचाइयां दी जो अविस्मरणीय रहेगी। मेरे साथ यह संयोज रहा है कि गुरुदेव जब भी मालवा से दूर गए नवरत्न परिवार की कमान मुझे सौंपी गई पहली बार गुरुदेव सम्मेद शिखर गए नागेश्वर में मुझे राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया, फिर दक्षिण भारत गए मुझे दूसरी बार वही नागेश्वर की पुण्य धरा पर राष्ट्रीयअध्यक्ष बनाया गया। मेरे दूसरी बार के कार्यकाल में महासचिव पद पर राकेश जी मारवाड़ी का मनोयन हुआ ओर उन्होंने भी बखूबी अपना दायित्व पूरी निष्ठा के साथ निभाया।

मुझे गुरुदेव के साथ ही आप सभी के स्नेह से नवरत्न परिवार का प्रथम प्रदेश अध्यक्ष, प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रथम राष्ट्रीय सलाहकार समिति का अध्यक्ष होने का गौरव प्राप्त हुआ।

मुझे तीसरी बार के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के सात ही प्रदेश अध्यक्ष के रूप में परम गुरुभक्त, कर्मठ, जुझारू भाई रखब जी बिजावत का साथ मिली प्रदेश की टीम के महासचिव भाई आशीष जी चौरड़िया व उनकी टीम ने मालवा क्षेत्र में ओर पकड़ मजबूत की प्रदेश की टीम की भी बहुत-बहुत अनुमोदना व सफलता के लिए बहुत-बहुत बधाइयां। बागड़ क्षेत्र के अध्यक्ष सुबोध जी सरैया ने भी उस क्षेत्र में नवरत्न परिवार का विस्तार किया उनको व उनकी टीम को बहुत-बहुत बधाइयां। राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रवीण जी सिंघवी भी धीरे-धीरे कार्य क्षेत्र बढ़ा रहे हैं उनको भी बहुत-बहुत धन्यवाद।

भावी महामांगिलक की विनंतियां

आष्टा	पवन जी सुराणा
आकोदिया	अनिलजी डांगा
बेरछा	दिलीप जैन
हाटपिपल्या	विनोद जी सिसौदिया
बड़ौद	रखबजी बिजावत
रायपुरिया	सुनीलजी
राजगढ़	सुनील जी फरबदा
तितरोद	नरेन्द्र जी राणावत
आवर	संजय जी लड्ढा
चोमेला	शीतलजी ओसवाल दालमील
सुवासरा	दलाल राजकुमार नरेन्द्रजी
बमिनिया	अभय मुणत विजय भंडारी
बोलिया	श्रीसंघ
जावरा	उत्तम म.सा. द्वारा प्रेरणा
दुधलिया	श्रीसंघ
मांगलिया	सुनीलजी रत्नेश
उज्जैन	अवन्तिका शाखा
छोटी	सादड़ी श्रीसंघ
बाजना	सतीराजी टिम श्रीसंघ
भवानीमंडी	श्रीसंघ दिनेशजी
इंदौर	ललित सी. जैन, प्रितेशजी, राजकुमार
कोद	अभयजी कोद
नीमच	पारसजी सम्पूर्ण लाभ

पारस लाठिया का वंदन।

रखब बिजावत जी को आशीर्वाद

अशोक मनियार का बहुमान।

आवास प्रबंधक का अर्पित नाहर का बहुमान।

नवरत्न संदेश

शुभाशीर्वाददाता

जन-जन की आस्था एवं श्रद्धा के केंद्र महान तपस्वी प.पू. मालव भूषण आचार्य श्री नवरत्न सागर सूरीश्वरजी म.सा.

मंगल प्रेरणा स्त्रोत

जिन शासन हित चिंतक युवा हृदय सम्राट प.पू.आचार्य भगवंत श्री विश्वरत्नसागर सूरीश्वरजी म.सा.

नवरत्न परिवार की राष्ट्रीय कार्यकारिणी

संरक्षक

श्री ललित सी. जैन, इंदौर 9425107692
श्री रमेश कुमार हरण, बैंगलोर 9845061920

सलाहकार बोर्ड अध्यक्ष

श्री सी.ए. प्रतीक डोसी, मंदसौर 9826081300

अध्यक्ष

श्री पवन सुराणा, आष्टा 9926685705

उपाध्यक्ष

श्री नरेन्द्र भाई वाणीगोता, मुंबई 9820632733
श्री प्रीतेश ओस्तवाल, इंदौर 9425312035
श्री धर्मचंद्र जैन, नागेश्वर 9425491062
श्री संजय धारीवाल, हाटपिपलिया 9009718722

महासचिव

श्री राकेश मारवाड़ी, प्रतापगढ़ 9414308595

कोषाध्यक्ष

श्री महेश जैन तहलका, मंदसौर 9425105511

प्रबंधक

श्री जितेन्द्र पोरवाल, दलौदा 9425105921

प्रवक्ता

श्री प्रशांत सकलेचा, नलखेड़ा 9425318888

संगठन मंत्री

श्री अनुदीप चौहान, उन्हैल 9098274736
श्री संजय मेहता, डूंगरपुर 9414104805
श्री मुकेश गांधी, सागवाड़ा 9414567830
श्री सुदर्शन मंडोवरा, देपालपुर 9926033009

आमंत्रित सदस्य

श्री दिनेश बाफना, खम्मम 9490704495
श्री मुकेश बम, लिमड़ी 9825998750
श्री नीतू भाई वोरा, सतना 9893035572
श्री मुकेश जैन सांचोर, मुंबई 9920702721
श्री श्रेणिकजी जैन, भीलवाड़ा 9167972953
श्री सतीश नाहर, बाजना 9424020097

मध्यप्रदेश अध्यक्ष

श्री रखब विजावत, बड़ौद 9630364555

राजस्थान अध्यक्ष

श्री प्रवीण संघवी, कोटा 9414188045

वागड़ प्रदेश अध्यक्ष

श्री सुबोध सरैया, डूंगरपुर 9414104677

संकल्प

माता के उपकार चुका सकते है।
दाता के उपकार चुका सकते है।
पर करोड़ों जीवन में भी गुरुदेव के
उपकार को चुका नहीं सकते है।

संपादकीय

राकेश मारवाड़ी

आभार...आभार...आभार...

जिन युवाओं ने नवरत्न परिवार को अपना परिवार समझ कर इस कार्यक्रम को सफल बनाया और युवा साथियों को धन्यवाद देना चाहेंगे जिन्होंने अपना अमूल्य समय देकर शासन सेवा में आगे रहे ऐसे युवा का आभार व्यक्त करते हैं

आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं भविष्य में आपसे यह चाहेंगे कि आप भविष्य में भी नवरत्न परिवार के लिए आगे आए और शासन सेवा में हमेशा आगे बढ़े ऐसी मंगल कामना हम उनके लिए करते हैं और भविष्य में हम आपका सहयोग ऐसे ही हमें प्राप्त होता रहे आज गुरुदेव आचार्य भगवंत श्री नवरत्न सागर सूरीश्वर जी महाराज हमारे बीच में नहीं रहे लेकिन इस बात का हमें दुख तो बहुत है पूरा जीवन हमको गुरुदेव के बिना निकालना तो बड़ा कठिन है जब इतनी बड़ी तादाद में शंखेश्वर महातीर्थ में हजारों युवाओं को हमने इकट्ठा होते देखा तो हम को पूर्ण विश्वास हो चुका था कि गुरुदेव हमारे बीच में हैं और हमारे प्यारे पूज्य गुरुदेव आचार्य भगवान श्री विश्वरत्न सागर जी साहब के ऊपर पूरी पूरी कृपा बरस रही है गुरुदेव की कमी को आज हमारे युवा आचार्य श्री विश्वरत्न सागर जी महाराज साहब ने खूब-खूब युवाओ पर आशीर्वाद बरसाए तो हमको लगा नहीं वही प्यार हमने गुरुदेव जितना प्यार हमको करते थे उतना ही प्यार हमारे युवाचार्य हमको करते हैं हमको गुरुदेव की बिल्कुल भी कमी महसूस नहीं हुई हमको इतना प्यार देते थे ऐसे ही प्यार हमारे पूज्य गुरुदेव विश्वरत्न सागर जी ने किया

यही विनती : गुरुदेव आप जहां भी रहो आप सुख साता में रहना और हमारे परिवार को इतना मजबूत कर दो कि देश के अंदर कोई अगर शासन सेवा के लिए किसी संगठन का नाम है तो वह नवरत्न परिवार हो गुरुदेव आप जहां भी हो लेकिन हम पर हमेशा आशीष बनाए रखना हम पर हमेशा आशीष बनाए रखना नवरत्न परिवार के युवा साथियों से बस यही विनती है कि आगे के कार्यक्रम में नवरत्न परिवार को मजबूत करें अपने लोकल शाखा अपने लोकल बॉडी को मजबूत करें और शासन सेवा में हमेशा आगे बढ़े ऐसी मंगल कामना करते हैं और गुरुदेव से प्रार्थना करते हैं हे गुरुदेव हमारे एक एक कार्यकर्ता को आपका आशीर्वाद प्यार आपका स्नेह प्राप्त होता रहे।

विशेष आयोजन की सफलता में समग्र ईकाइयों को पदाधिकारियों का हार्दिक अभिवादन

गुरु देव श्री नवरत्न सागर सुरिश्वर जी महाराजा की स्वर्गवास भूमि पर पंहुचा राजगढ़ श्री संघ

वेल्लूर से चेन्नई हाइवे पर से तीन किलो मीटर दूर स्थित पुबीत्तर पट्टी गांव मैं मुनिरत्न के निवास के सामने गुरुदेव ने अंतिम सासे ली थी। गुरुदेव की नोवी मासिक पुण्य तिथि के अवसर पर राजगढ़ श्री संघ यहाँ पंहुचा था श्री संघ की ओर से यूनिटी क्लब संदीप सराफ के नेतृत्व मैं श्री संघ एवम् यूनिटी क्लब का प्रतिनिधि मंडल साऊथ इंडिया के दस दिवसीय भरमन पर गया हुआ है। गुरुदेव की स्वर्गवास भूमि पर क्लब सचिव अभय पुराणी ने गुरु वंदन की क्रिया कराई। प्रवचन कार संजय मामा ने चैत्य वंदन की क्रिया पूर्ण की। गुरुदेव की अंतिम समय मैं सेवा करने वाले मुनिरत्नम् भाई ने बताया की गुरु देव की सेवा करने के बाद उनके जीवन मैं अधभुत परिवर्तन हुआ है उनके द्वरा सवगज़ वास भूमि पर गुरु देव का चित्र स्थापित किया गया है वहाँ पर प्रतिदिन उनके द्वरा दीपक व पूजा की जाती है।

गुरु देव की महिमा का वणर्न करते हुऐ कहा की गुरु देव की आत्म श्रेयार्थ वेल्लूर नगर2 मे पूजन का आयोजन हुआ था इसमें उसे एक पेन भेट की गई थी उसी पेन से उसकी पोती दीपिका ने 10 वीं बोडज़ की परीछा दी गुरुदेव की पेन की बजह से दीपिका को 500 मैं से 466 अंक आये

वेल्लूर श्री संघ के विजय बोहरा ने बताया भी इस अवसर पर उपिस्थ थे आपने बताया की गुरुदेव की सबगज़ वास भूमि पर एक भवन बनाने की योजना है यहाँ पर गुरुदेव के चरण स्थापित किये जावेगे। हाइवे पर गुरु देव की स्म्रति मे दादा वद्रि स्थापीत की जावेगी। यहाँ पर गुरु देव की मन मोहक प्रतिमा लगाई जावेगी

इन सभी कार्यों के संचालन हेतु ट्रस्ट का गठन किया जा रहा है ट्रस्ट मै राजगढ़ सकल श्री संघ के प्रतिनिधि को भी सामिल किये जाने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है

गुरूदेव को सूरज कहुं तो सूरज में आग है।
गुरूदेव को चन्दा कहं तो चन्दा में दाग है।
गुरूदेव को सागर कहुँ तो सागर में झाग है।
सच पूछो तो गुरूदेव में वैराग्य ही वैराग्य ही वैराग्य है।

अधिवेशन से बढ़ेगी झाबुआ जिले की सक्रियता

मितेश कुमट, झकनावद। प.पू. मालवभूषण जैनाचार्य भगवंत व भोपावर के तीर्थोद्धारक नवरत्नसागर सूरीश्वरजी म.सा. के दिव्याशिष्य से शंखेश्वर (गुंज) की धन्यधरा पर वर्तमानाचार्य पं.पू. विश्वरत्न सागर जी म.सा. की चातुर्मास चल रहा है। 5वां राष्ट्रीय अधिवेशन 24-25 सितंबर को शंखेश्वरतीर्थ में रखा गया, जिसमें देश के हजारों युवाओं ने भाग लिया कई प्रतियोगिताएं हुई, लॉट्री रखी गई, स्तवन संध्या आदि का युवाओं ने लाभ उठाते हुए साधुभगंवतों की वाणी को अंगीकार किया। नवरत्न परिवार से झाबुआ के जिलाध्यक्ष सुनील झालोका ने झाबुआ की कमान संभाल रखी थी, जिनके नेतृत्व में झाबुआ क्षेत्र से 10

वाहन में लगभग 200 कार्यकर्ताओं पूर्वी क्षेत्र अग्रवाल महासंघ की अग्र चेतना यात्रा 2 अक्टूबर को शिरकत की। रायपुरिया में सघ पूजा की गई साथ ही दाहोद में सिमंदरस्वामी के दर्शन कर स्वामीवात्सल्य किया गया, जिसका लाभ जिलाध्यक्ष सुनील जी परिवार ने लिया।

अधिवेशन में आचार्य श्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए धर्म के राह पर चलने व हमेशा जिनशासन की रक्षा करने व अपने मार्ग से भटकते जैन समाज को एक डोर में बांधने पर जोर दिया गया। अधिवेशन व चातुर्मास के लाभार्थी श्रेष्ठीवर्य श्री वेलजीभाई माणेकचंद मणीयार परिवार थे।

सभी श्री संघों का रहा सहयोग

झाबुआ से अर्पित जैन, पेटलावद से मनोज वोहरा, सुरेन्द्र काका, मालवीय परिवार, रायपुरिया से विजय जैन, अनिल मुथा, झकनावदा से मितेश जैन, थांदला से दाय थांदला, मेघनगर से राजेश, बामनिया से शुभम लुणावत आदि श्रीसंघों ने अपने जिनशासन का परिचय देते हुए अभिवृद्धि की है। जो बहुत ही अनुमोदनीय है।

शासन प्रभावकता को विराटता प्रदान करता है नवरत्न परिवार

राष्ट्रीय अधिवेशन में श्रेष्ठ शाखा व श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान

पवन सुराणा

गिरीश भाई

ललित सी. जैन

अशोक मणियार

पारस लाठिया

रखब बिजावत

राहुल कपूर

अतुल भाई दाढ़ी

राकेश मारवाड़ी
नरेन्द्र वाणी गौता

वंदन यात्रा प्रभारी राजेश जैन का बहुमान

प्रथम दिन दीप प्रज्वलन मणियार-नवरत्न परिवार

मंचासीन राष्ट्रीय पदाधिकारी

दूसरे दिन अतुल भाई दाढ़ी

गिरीश भाई का बहुमान

युवा हृदय सम्राट ने किया नई ऊर्जा का शंखनाद

जैन श्वेताम्बर समाज के सामाजिक संगठन नवरत्न परिवार का पांचवां राष्ट्रीय अधिवेशन दो दिवसीय 24 व 25 सितंबर को जैन तीर्थ शंखेश्वर में परम पूज्य आचार्य विश्वरत्न सागर सूरीश्वर जी म.सा. की पावन निश्रा में सम्पन्न हुआ। नवरत्न परिवार मुख्य रूप से जैन युवाओं का एक सक्रिय संगठन है जिसकी स्थापना आचार्य भगवंत नवरत्न सागर सूरीश्वर जी म.सा. द्वारा जैन समाज के युवाओं में जिन शासन की सेवा का संचार करने के उद्देश्य से की गई थी। अतिथियों द्वारा शंखेश्वर पार्श्वनाथ व गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर इस अधिवेशन की शुरुआत की गई।

सर्व प्रथम स्वागत भाषण राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन सुराना ने दिया। समस्त महाजन मुंबई के गिरिशभाई शाह ने जिनालय शुद्धिकरण के बारे में विस्तार से बताया संरक्षक ललित सी जैन, मप्र अध्यक्ष रखब बिजावत म.प्र. सलाहकार बोर्ड अध्यक्ष श्री दिलीप जैन ने भी अपने विचार रखें। अतुल भाई शाह मुंबई राहुल कपूर जैन ने जिन शासन की सेवा पर प्रकाश डाला। अल्पसंख्यक प्रवक्ता पारस लाठिया एडव्होकेट का भी उद्बोधन हुआ उन्होंने शासन द्वारा जैन अल्पसंख्यकों की योजनाओं, शिक्षा, व्यवसाय के बारे में विस्तार से बताया। नवरत्न परिर के 34 तपस्वियों का बहुमान किया। 25 श्रेष्ठ शाखाओं को प्रतीक चिन्ह देकर बहुमान किया गया, साथ ही विशिष्ठ सेवा भावी, सक्रिय 20 श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं में शुजालपुर शाखा से नवरत्न परिवार मप्र कार्यकारिणीय सदस्य नवरत्न धीरावाल का प्रतीक चिन्ह देकर बहुमान किया गया। शुजालपुर से पंकज नारेलिया, सचिन धारीवाल, हर्षित धारीवाल, मितेश चोपड़ा इस अधिवेशन में शामिल हुए। इस अधिवेशन में 135 शाखाओं के करीबन 2000 नवयुवकों ने भाग लिया। इस अधिवेशन में पधारे सभी महानुभावों को गुरुदेव की फोटो फ्रेम, पूजा के वस्त्र, ट्राली बेग देकर बहुमान किया गया। संगीतकार श्री नरेन्द्र भाई वाणीगोता एवं राजीव विजयवर्गीय थे। इस संपूर्ण आयोजन के लाभार्थी श्री वेलजीभाई मणिकचंद मणियार परिवार थे। कार्यक्रम का संचालन महासचिव राकेश मारवाड़ी ने किया एवं आभार अशोक भाई मणियार ने किया।

मनासा शाखा की विशेष लेजिम नृत्य

प्रतापगढ़ शाखा का घोष के साथ प्रवेश

लविश कोठारी

नवरत्न धारीवाल

मंचासीन राष्ट्रीय पदाधिकारी

आशीष चौरड़िया

वेलजी भाई का बहुमान

रमेश मुथा का बहुमान

पारस लाठिया का बहुमान

राहुल कपूर का बहुमान

अमित भैरविया का बहुमान

अर्पित झाबुआ का बहुमान

नवरत्न संदेश

नमन... गुरुदेव की पारखी नजर को...

डॉ. सुभाष जैन

समय व्यतीत होते देर नहीं लगती। पल से प्रहर, दिवस माह और कई वर्ष बीत जाते है। काल की इस यात्रा में ऐसा बहुत कम देखने सुनने में आता है कि कोई एक व्यक्ति उस उच्चता और भव्यता को प्राप्त कर सकता है जहां वह हजारों हजार लोगों की जीवन धारा को बदल कर रख देता है। साधनों का जीवनोल्लेख सभी जनों के लिये मन मस्तिष्क के लिये सुख का कारण होता है यह जब चर्चा वर्तमान के जैनाचार्यों में पू.गुरूदेव श्री नवरत्न सागर सूरीश्वरजी महाराजा की होती है तब नाम लब पर आते ही सिर श्रद्धा से झुक जाता है। आप जैसे हीरे चमकते व्यत्तित्व के अनेक पहलुओं में से कौन सा अधिक चमकदार है कहना कठिन है। गुरुदेव का एक विशिष्ट पहलु यह है कि आपश्री के साधनाकाल की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि अगर कोई है तो वह है आपश्री सुशिष्य संतति परिवार जिसे पाकर कोई भी साधक गर्व गौरव का अनुभव कर सकता है।

पूज्य गुरूदेव आचार्य श्री नवरत्नसागर सूरी जैसे गुरू पाकर सभी सुशिष्य परिवार गौरव और अभिमान करता है कि वे पूज्यश्री के सुशिष्य है मिलने वाले अन्य साधु-साध्वी भगवंतों को जब यह पता चलता है कि ये आचार्यश्री नवरत्नसागर सूरीश्वरजी के सुशिष्य है तो वे भी अहोभाव से प्रसन्नता अनुभव करते है। आपश्री के सभी आत्म साधक शिष्य भी इस गौरव से प्रसन्न है कि उन्होंने आप जैसे गुरूदेव से जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण की है और जीवन में नये आयामों को प्राप्त किया है। पूज्यश्री के ऐसे ही सुशिष्यों में से एक युवा जागृति के प्रणेता परम पूज्य आचार्य देवेश श्री विश्वरत्नसागरजी म.सा. है जिन्होंने अपना बालपन छोड़कर बाल्य अवस्था में ही गुरूदेव के सानिध्य में उनकी साधना यात्रा के सहयात्री बनकर गुरूदेव के साथ अपना जीवन भी सार्थक कर लिया है। मुझे यह लिखने में कोई संकोच या दुविधा नहीं है कि आज गुरूदेव अपने शिष्यों की आभा-साधना और प्रभावकता देखकर अतुलनीय आत्मीय आनंद की अनुभूति करते थे। यह शब्दों में अभिव्यक्त करने वाली बात नहीं है। पूज्यश्री के प्रथम शिष्यवर जिन्हें गुरूदेवश्री ने अपना पद देकर बराबरी में बिठा लिया है वे है आचार्य देवेश श्री अपूर्वमंगलरत्नसागर सूरीजी महाराज वे गुरूदेव की अपूर्व विभूति है और गुरूदेव जैसे ही परम तपस्वी है।

आपश्री की चर्चा बाद में अन्य लेख में करूंगा पर अभी मैं बात कर रहा हूं, ऐसे विरल व्यक्तित्व के धनी आचार्य देवेश श्री विश्वरत्नसागरसूरीजी म.सा. पूज्य गुरूदेवश्री के द्वितीय शिष्य है जिन्होंने युवाओं में धर्म की नव चेतना को जाग्रत कर अपने को एक युवा क्रांतिकारी ऐसे संत के रूप में प्रस्तुत किया है जिसने युवाओं की जीवनधारा को बदल कर रख दिया है। ऐसे शिष्य पर कौन गुरू गर्व नहीं करेगा? मैं यहां जिस घटना की चर्चा करना चाहता हूं उसके बारे में पूज्य आचार्य देवेश श्री विश्वरत्नसागर सूरीजी म.सा.आज तक अनभिज्ञ है और न ही मैंने उन्हें बतलाया है यह लेख पढ़कर ही उन्हें यह बात ज्ञात होगी और उनका सीना गर्व से भर जायेगा कि मेरे गुरूदेव का मुझ पर कितना विश्वास है, कितना भरोसा है?

शायद हम बाप होकर भी अपने बेटे पर इतना विश्वास व्यक्त नहीं कर सकते है जो गुरुदेव श्रीने अपने शिष्य पर व्यक्त किया है। उन दिनों पूज्य गुरूदेवश्री उज्जैन प्रवास पर थे ३१ दिसंबर २००९ को उज्जैन पहुंचे थे और ३ जनवरी २०१० को आपश्री कांच का मंदिर उज्जैन पहुंचे थे। पूज्यश्री का रात्री विश्राम यहीं था पूज्य आचार्य देवेश श्री विश्वरत्न सागरसूरीजी म.सा.भी मांगल्या-सम्मेद शिखर की छ:रि पालित यात्रा को आरंभ कर गुरूदेव से भेंट करने के लिये प्रात:काल १३ कि.मी. का विहार कर सुबह आने वाले थे। पूज्य आचार्यश्री मंदिरजी में विराजमान थे मैं हमेशा यही प्रभुसेवा पूजा करता हूं, रात्री में चर्चा करते हुए मैंने पूज्य आचार्य गुरूदेव से कुछ चर्चा कांच के मंदिर के बारे में भी की और निवेदन किया कि साहेबजी इस मंदिरजी का भी जीर्णोद्धार करवा दीजिये सन् १९६५ में मंदिरजी का निर्माण प्रतिष्ठा हुई थी उस समय की तकनीक और कुछ कमी से त्रुटियां है। अगर जीर्णोद्धार हो जायेगा तो मंदिरजी व्यवस्थित हो जायेगा, यहां आने वाले भक्तों के साथ पूज्य साधु-साध्वीजी म.सा. के लिये छोटे उपाश्रय में ठहराने और गोचरी पानी की व्यवस्था करने में भी आसानी होगी।

यह निवेदन मैंने पूज्यश्री को विनीत भाव से किया। पूज्यश्री को भी यह बात जंच रही थी ऐसा मुझे लगा। मैंने बात को आगे बढ़ाते हुए कहा- साहेबजी ऐसी पार्टी है जो ५० लाख रूपये तक मंदिरजी के जीर्णोद्धार में खर्च कर सकती है उनकी कोई शर्त नहीं है, जैसा आप चाहेंगे वैसा करने को वे तैयार है। कोई द्रिकत नहीं है। पूज्यश्री ने मुझसे पूछा- कौन है? मैंने कहा- साहेबजी। नाम बाद में बतला दूंगा। इसके उपरांत खाराकुआ जैन मंदिरजी के जीर्णोद्धार की भी बात निकली तब मैंने कहा- साहेबजी यहां भी अनेक वास्तु दोष है और यहां के बारे में (एक जाना पहचाना नाम) बतलाया जो जीर्णोद्धार के लिये इच्छुक है तब पूज्यश्री ने जो उत्तर दिया वह उनके सुशिष्यों में व्रत विश्वास और उनकी कार्यक्षमता का स्पष्ट परिचय देता है।

पूज्यश्री ने कहा-क्या विश्वरत्न किसी से कम है?' यह है गुरू की अपने शिष्यों को पहचानने की क्षमता का परिचय। मैंने पूज्यश्री से कहा-साहेबजी उनका मैनेजमेंट और कार्य करने की स्टाईल ने तो शासन की ध्वजा को बहुत ऊंचाईयां प्रदान की है। चाहे अहमदाबाद हो इन्दौर हो या उज्जैन कहां नहीं पूज्य आचार्य देवेश श्री विश्वरत्न सागरसूरीजी म.सा. ने अपने को सिद्ध किया है और फिर उसके साथ गुरू के प्रति जो ऊंच भाव है तथा हर कार्य को गुरू की नजर में रखकर करते है वहां उन्हें आदरणीय बना देता है। गुरू आज्ञा का पालन निर्भीकता एवं नि:शल्य होकर करते रहते है उन्हें यह ध्यान है कि गुरू आज्ञा का पालन करने से उन्नति होती है शिष्टता और वरिष्ठता प्राप्त करने का सीधा सरल और सुगम उपाय है यह। पूज्य पंन्यासजी के जीवन में अनुशासन की शालिनता है गुरू का अनुगमन करना, अनुशासन का पालन करना, पंचाचार का पालन करना, संघ और धर्म का संरक्षक करने के लिये जनसम्पर्क करना होता है और वे इस कार्य में निरंतर लगे रहते है और उसके परिणाम शासन प्रभावना बड़े-बड़े कार्यक्रमों के माध्यम से दिखते भी है।

पूज्य पंन्यास म.सा. इस बात को अच्छी तरह से समझते है कि गुरूभक्ति से चारित्र की रक्षा होती है और गुरूभक्ति से कार्य आसान हो जाते हैं। श्रमण संस्कृति को निरंतर वृद्धिगत कर रहे ऐसे शासन समर्पित पूज्य आचार्य देवेश श्री विश्वरत्न सागरसूरीजी म.सा.को नवकार महामंत्र के तीसरे पद को प्रदान कर ३६ गुण भंडारी बने है आप दीर्घायु और निरोगी बने, ऐसे संयम साधना और समता के आराधक को मेरा प्रणाम। शासन सेवा को आप जो कार्य कर रहे है वह अद्‌भूत है संघ के इतने कामों को संभालना गरम दिमागवाले लोगों का काम नहीं है, शांत,सरल,सहज,संत ही ऐसे कार्य कर सकते है। प्रदार्थ से हटकर परमार्थ की यात्रा आप पूर्ण करें। ***यही मंगल कामना।***

उज्जैन में सर्व प्रथम बार सिद्धचक्राधन महातीर्थ के आंगन में श्री पेतालीस आगम महापूजन सम्पन्न

उज्जैन। ऋषभदेव छगनीराम पेढ़ी खाराकुआं पर परम पूज्य पं. श्री विमलकीर्ति म.सा. परम पू. रत्नकीर्ति म.सा. साध्वी श्री विजेता श्री जी म.सा. की निश्रा पार्वाधिराज पर्युषण महापर्व की पूर्णाहुति पर पंचानिका महोत्सव एवं आगम महापूजन मनाने का सुअवसर प्राप्त हुआ है।

इस कार्यक्रम में प्रथम दिन नवपदपूजन दो दिनी पैतालिस आगम महापूजन और अंतिम दिन सत्तर भेदों पूजन पढ़ा ईगई। पैतालिस

आगम की शोभा यात्रा में नवरत्न महिला मंडल भी उपस्थित था पैतालिस आगम महापूजन का महोत्सव उज्जैन में ऐतिहासिक हुआ। यह जानकारी नवरत्न महिला मंडल अध्यक्ष श्री पद्मा जैन ने दी। इस कार्यक्रम में उपस्थित श्रीमती पद्मा जैन, हेमा सालेचा, शशी सुशीला जैन, सुमन जैन, ममता जैन, रानु जैन, ज्योति जैन, रोज को. साधना नलराया, प्रेमलता, अमीता जैन, ईना सालेचा लक्की नाहर, सीमा सालेचा, रेखा बोहरा उपस्थित थीं।

श्री जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ का सम्मेलन श्री शंखेश्वर महातीर्थ में संपन्न

- » मालवा के जिले की जैन पाठशाला का सर्वे होगा।
- » संघ प्रतिनिधि कैसा हो, पर चर्चा की गई।
- » युवा जैनाचार्यश्री को मालवा महासंघ पुर्नगठन के अधिकार दिए।
- » श्री वेलजीभाई मणियार परिवार का पूर्ण सहयोग मिला।
- » प्रतिनिधि मालवा के उत्थान के लिए तैयार।
- » आचार्यश्री ने भी मालवा में सक्रिय होने का भाव दर्शाया।

शंखेश्वर। श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ महातीर्थ में स्थित पूज्यपाद पंन्यास प्रवर श्री अभ्युदयसागरजी महाराज द्वारा स्थापित आगम मंदिर परिसर में चार्तुमास हेतु विराजित पूज्यपाद मालव भूषण महासंघ आचार्य श्री नवरत्नसागर सूरीश्वरजी महाराजा के सुशिष्य पूज्य आचार्य श्री विश्वरत्नसागर सूरीश्वरजी म.सा. आदि की पावन निश्रा में जैन श्वेतांबर मालवा महासंघ का सम्मेलन १७ एवं १८ सितंबर को कार्य अध्यक्ष श्री प्रेम डूंगरवाल जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। प्रतिनिधियों की संख्या अपेक्षा से कम होने के बाद भी जो उत्साह और काम करने की ललक भी वह स्पष्ट दिखाई दी। मालवा की जैन पाठशाला का सर्वे कर उनको सशक्त करने पर कार्य निती बनी तथा जिलेभर सर्वे का निर्णय लिया गया। डॉ. सुभाष जैन (महासचिव) ने पूज्य आचार्यश्री से मालवा महासंघ का पुर्नगठन का अनुरोध किया। पूज्य मुनिश्री अक्षतरत्नसागरजी ने ''संघ का प्रतिनिधि कैसा हो'' इस विषय पर अपने व्याख्यान में व्यापक प्रभाव डाला। पूज्य युवा जैनाचार्य श्री विश्वरत्न सागर सूरीश्वरजी म.सा. ने कहा कि - गुरूदेव श्री नवरत्नसागर सूरीजी ने मालवा के छोटे- छोटे संघ के श्रावक की चिंता की ओर मालवा से वागड़ तक विस्तार से विचरण किया। ४० वर्ष तक मालवा से धर्म जागरण किया। गुरूदेव की कल्पना के अनुरूप मालवा महासंघ का गठन हुआ। हम इसे आगे बढ़ाकर विशेष रूप से सक्रियता प्रदान करेंगे। विगत तीन चार्तुमास मालवा के बाहर हुए अब अगला चार्तुमास मालवा में होगा। आप सब यहां मालवा की चिंता का चिंतन करने आये है, यह एक चिंतन शिविर है। संघ को एक जुट करने का मालवा महासंघ जैसा कोई भी संगठन जैन जगत में नहीं है। श्री वेलजी मणियार परिवार ने महासंघ के सम्मेलन में सभी सुविधा प्रदान कर लाभ लिया। मालवा महासंघ के द्वारा मणियार परिवार का सम्मान किया गया।

तपागच्छाधिपति श्री प्रेमसुरीश्वरजी महाराजा का कालधर्म

दीपक आर जैन

आज का सूर्योदय सूर्यास्त के समान लगा जब सुबह समाचार मिला की शंखेश्वर महातीर्थ में श्री 108 पार्श्व भक्ति महाप्रासाद के प्रेरक,जिनशासन गौरव सर्वोच्च दीक्षा पर्यायी परम पूज्य तापगच्छाधिपति आचार्य श्री विजय प्रेमसूरीस्वरजी म.सा.का मुंबई में निधन हो गया. उनके निधन से देशभर के जैन समाज में शोक की लहर हैं.उनका निधन मात्र जैन समाज नही बल्कि संपूर्ण मानवजाति के लिए अपूर्णीय क्षति हैं.गुरुदेव का पार्थिव शरीर दर्शनार्थ श्री बाबु अमीचंद जैन मंदिर,वालकेश्वर में रखा गया था.पालखी दोपहर 02 बजे शुरू हुई तथा पंचशील प्लाजा,धर्म पेलेस,हुजिस रोड से होती हुई बाणगंगा पहुची जहाँ अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ.अंतिम संस्कार का चढ़ावा 11 करोड से अधिक में गया जिसका लाभ पांच परिवारों ने मिलकर लिया. 87 साल का दीक्षा पर्याय और जिनशासन का विकास जीवन के अंत समय तक सर्वोपरि रहा.

वर्तमान समय मे उनकी अत्यंत आवश्यकता थी.पालीताणा मे मार्च मे हुआ श्रमण सम्मेलन उनकी वजह से ही संभव हुआ.96 वर्ष होने के बाद भी जब भी उनके दर्शन का मोका मिला उन्हें व्यस्त देखा.अखबारों को पढ़ना उन्होंने अंतिम समय तक नही छोडा.वंदन के बाद हमेशा प्रेम से सिरपर हाथ रखकर आशीर्वाद देते थे.हरपल जिनशासन के कार्यों को गति देने मे व्यस्त रहे.हमेशा मुस्कराते चेहरे से सामनेवाले को जब बुलाते तो मंन को ऐसी शांति की अनुभूति होती जिसे मे शब्दों मे नही लिख सकता.आपका पद भर पाना कठिन कार्य होगा.

आशीर्वाद ने जीवन में नयी ऊर्जा का संचार किया.आपकी निश्रा में भायंदर में जाप कराने का अवसर हमारे परिवार को मिला उसे कभी नहीं भुला सकते.समस्त जैन समाज के लिए यह अत्यंत दुखद क्षण है परम पूज्य के.सी. म.सा., मुनिराज श्री कुलदर्शनविजयजी (के.डी.) म.सा. व सभी को यह दुख सहने की प्रभु शक्ति दे यही प्रार्थना.

युवा हृदय सम्राट की शोक संदेश

जन-जन की आस्था व श्रद्धा के केंद्र परमपूज्य मालवभूषण आचार्य भगवंत श्रीनवरत्न सागर सूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य रत्न युवा हृदय सम्राट आचार्य श्री विश्वरत्न सागर सूरीश्वर म.सा. ने अपने शोक संदेश में कहा कि आचार्य विजय प्रेमसूरीश्वर जी म. सा ने अपने सुदीर्घ वर्षों में संयम धर्म की आराधना से जिनशासन की महती प्रभावना की ।उनका मधुर व्यवहार , उनका शुद्ध आचरण , उनकी निर्णय क्षमता हमेशा गुरुभक्तों के हृदय में अमिट छाप रखेगी । ज्ञातव्य है कि ९१ वर्ष की आयुष्य में भी स्वयं ही संयम धर्म की समस्त क्रियाओं के कर पाने की सक्षमता का श्रेय वे सदा नमस्कार महामंत्र और जिनशासन को देते थे । यथा नाम तथा गुण - उन्होंने प्राणी मात्र के प्रति सदा करुणा और प्रेम की भावना ही रखी. तपागच्छ की सर्वोच्च प्रवर समिति में भी पूज्य गुरुदेव का महनीय स्थान रहा । तपागच्छाधिपति के रूप में अनेकों वर्षों तक उन्होंने व्यवस्थित रूप में कार्यभार संभाला जिसमें उनके शिष्य आचार्य विजय कुलचंद्र सूरीश्वर जी (के.सी. महाराज) ने अद्वितीय गुरुभक्ति का परिचय देते हुए सदैव सहयोग किया.गच्छाधिपति आचार्य श्रीमद् विजय प्रेमसूरीश्वरजी से सदैव स्नेहपूर्ण सम्बन्ध रहा ।हमारा अनेकों बार मिलना हुआ एवं पिता पुत्र की भांति धर्मचर्चा एवं स्नेह-वात्सल्य की भावना से सभी सम्बन्ध परिपूरित रहे ।गच्छाधिपति उन्होंने कहा कीआचार्य श्री प्रेमसूरीश्वरजी म.सा. के कालधर्म का समाचार मिला ,तो उन्हें वज्राघात सा अनुभव हुआ.उन्होंने कहा कि ऐसी संयम विभूति ने सदा अपने अनुभव से शिरच्छत्र की भांति हमारा मार्गदर्शन किया ।यद्यपि उनका कालधर्म हमारे लिए अपूर्णीय क्षति है किंतु हमें पूर्ण विश्वास है कि देवगति को प्राप्त गुरुदेव शीघ्र ही मोक्ष गति को प्राप्त करेंगे.

प्रेषक RNI NO.-MPHIN/2011/37953

राकेश मारवाड़ी, प्रधान संपादक

नवरत्न परिवार का राष्ट्रीय मासिक मुखपत्र

नवरत्न संदेश

208 शिबा कॉम्प्लेक्स रीगल चौराहा एम.जी. रोड, इन्दौर

नवरत्न संदेश Postal Reg. NO.MP/ICD/1371/2014-16

प्रति,

श्रीमान...

....

....

पिन........................

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक प्रेमकुमार डुंगरवाल द्वारा कुमार इंजीनियर्स ऑफसेट प्रिंटर्स 19/1 मनोरमागंज पलासिया सर्कल एबी रोड, इंदौर से मुद्रित 12 प्रेस काम्पलेक्स ए.बी. रोड इन्दौर प्रकाशित। संपादक- राकेश मारवाड़ी मो. 94143-08595 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा)